M.A. 1st Semester Examination, 2019

HINDI

PAPER—HIN-104

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2 × 4

(क) 'साकेत' नगरी का तात्पर्य क्या है ? साकेत की रचना किस पात्र को महत्व देने हेतु की गई ?

(ख) 'कामायनी' में किस दर्शन की पारिभाषिक शब्दावली प्रयुक्त है ? 'कामायनी' में बुद्धि का प्रतीक पात्र कौन है ?

(ग) 'नौका विहार' कविता किस काव्य संग्रह में संकलित है ? सहसंग्रह कब प्रकाशित हुआ ?

(घ) ''ज्योतित कर जन मन के जीवन का अंधकार
तुम खोल सको मानव उर के नि:शब्द द्वार''

— ये पंक्तियाँ किसकी है और किस काव्य-संग्रह से उद्धृत हैं ?

(ङ) 'बादल-राग' कविता में निराला ने बादल को किसका प्रतीक माना है ? यह कविता किस काव्य-संग्रह में संकलित है ?

(च) 'सरोज-स्मृति' कविता का प्रकाशन-वर्ष लिखिए । यह कविता किस काव्य-संग्रह में संकलित है ?

(छ) 'पंथ होने दो अपरिचित' कविता किस काव्य-संग्रह में संकलित है ? उस काव्य-संग्रह का प्रकाशन-वर्ष बताइए ।

(ज) 'उर्वशी' काव्य का नायक कौन है ? दिनकर को किस कृति के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* के यथानिर्देश उत्तर लिखिए : 4 × 4

(क) ''संसृति के प्रति पग में मेरी
साँसों का नव अंकन चुन लो,
मेरे बनने मिटने में नित
अपने साधो के क्षण गिन लो !''

— उपरोक्त अवतरण की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

(ख) "मेरे उपवन के हरिण, आज वनचारी
मैं बांध न लूँगी तुम्हें, तजो भय भारी ।
गिर पड़े दौड़ सौमित्रि प्रिया-पद-तरा में
वह भींग उठी प्रिय-चरण धरे दृग-जल में ।"

— उपरोक्त अवतरण का भाव-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'कामायनी' के 'चिंता' सर्ग का मूल उद्देश्य क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

(घ) "नील परिधान बीच सुकुमार
खुल रहा मृदुल अधखुला अंग
खिला हो ज्यों विजली का फूल
मेघ-बन बीच गुलाबी रंग ।"

— ये पंक्तियाँ कहाँ से उद्धृत हैं ? इन पंक्तियों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) 'साकेत' के 'नवम्' सर्ग का मूल संदेश स्पष्ट कीजिए ।

(च) 'विरह का जलजात जीवन' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए ।

(छ) "विजय ! विश्व में नवजीवन भर,
उतरो अपने रथ से भारत !

उस अख्य में बैठी प्रिया अधीर,
कितने पूजित दिन अब तक है व्यर्थ
मौन कुटीर ।''

— उपरोक्त पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ज) 'उर्वशी' की भाषा पर एक टिप्पणी लिखिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8 × 2

(क) '' 'सरोज-स्मृति' एक ऐसी मार्मिक शोकगाथा है जिसके भीतर गहरी पीड़ा के साथ संघर्ष भी है ।'' — इस कथन की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

(ख) '' 'कामायणी' आज के मानव-जीवन को उसके समूचे परिवेश में प्रस्तुत करने वाला महाकाव्य है ।'' — इस कथन के संदर्भ में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए ।

(ग) पंत की काव्यभाषा का विवेचन कीजिए ।

(घ) '' 'उर्वशी' महज एक उतीन्द्रिय सौंदर्य तथा उद्दाम प्रेम का ही काव्य नहीं है वरन् काम से आध्यात्म की महायात्रा का प्रेरक आख्यान भी है ।'' — इस कथन की तर्कसंगत समीक्षा कीजिए ।